राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 40.00 संख्या 620
छोटा नागराज
नागराज

नागराज को बचाने का इरादा छोड़ दे बच्चे! वर्ना उसको बचाने के चक्कर में तू अपनी भी जान गंवा देगा।
क्योंकि आज पूरे संसार के हर सिस्टम को मेरे बच्चे कंट्रोल कर रहे हैं! अमेरिका के राष्ट्रपति पद से लेकर जापान की कंपनियों तक के अध्यक्ष मेरे स्टूडेंट हैं!
पूरी दुनिया को अब डीन कंट्रोल करता है!
कथा: जौली सिन्हा
चित्र : अनुपम सिन्हा
इंकिंग : विनोदकुमार
सुलेख एवं रंग:
सुनील पाण्डेय
सम्पादक: मनीष गुप्ता
नागराज को धोखे से हराकर पूरी दुनिया को अपना बनाने वाले डीन, तू एक बात भूल रहा है!
और वह यह कि तुझको रोकने के लिए एक नहीं, तीन-तीन शख्स अभी भी आजाद हैं। मेरे दोस्त साइब्रो और फ्लेमीन और मैं खुद...
छोटा नागराज
©RAJA POCKET BOOKS
1
visit us at www.rajcomics.c

अंटार्टटिका- दूर- दूर तक फैला हुआ जमी बर्फ का साम्राज्य यहां पर किसी और को अपना राज्य जमाने की इजाजत नहीं देता है-
बस कभी- कभी यहां पर इक्का- दुक्का इंसान नजर आ जाते हैं-
ड्रेट्टट
या सफेद भालू जैसे कुछ जानवर-
घटपप
और कहीं- कहीं बर्फ की सफेद चादर पर उभरी हुई ये मानव- निर्मित इमारतें-
जो ऐसे वैज्ञानिकों से भरी रहती हैं, जो अंटार्टटिका के क्षेत्र में शोध करके नई संभावनाओं का पता लगाते रहते हैं-
इस शांत वातावरण में न तो अपराध रहता है और न ही अपराधी-

Amaan
इसीलिए अपराध-विनाशकों को कभी वहां पर आने की जरूरत ही नहीं पड़ती है-
वैसे भी उनके पास अपराध को मिटाने के अलावा और भी काम होते हैं-
ये... ये मजाक तो नहीं है न वेदाचार्य? ये रिपोर्ट कार्ड विषांक का ही है न?
तुमको शक क्यों हो रहा है, नागराज?
क्या तुमको विषांक से कुछ और ही उम्मीद थी!
न... नहीं!
वैसे भी विषांक ने पहले तो पढ़ाई कभी की ही नहीं। सिर्फ इसी एक साल से वह आधुनिक शिक्षा प्राप्त कर रहा है!
और फिर भी उसने हर विषय में पूरे के पूरे नंबर पाए हैं! कमाल है! यानी अब वह पहली क्लास से दूसरी क्लास में चला जाएगा! येSSSS
REPORT
TOTAL
20 30 30 20 100
20 30 30 20 100
ENGLISH 25 25 25 25 100
HINDI 25 25 25 25 100
ये रिपोर्ट कार्ड पांचवीं कक्षा का है, नागराज!
क्या?
विषांक ने पहली ही बार में पांचवीं क्लास का एग्जाम दिया है! पर कैसे? क्यों?
क्योंकि मासिक परीक्षाओं में इसके टीचर को लगा कि विषांक पहली क्लास के अनुसार कुछ ज्यादा जानता है!
इसीलिए उन्होंने उससे पहली क्लास के साथ-साथ पांचवीं क्लास का पेपर भी दिलवाया!

और उनका कहना है कि विषांक अगर इससे भी बड़ी कक्षा की परीक्षा देगा तो भी वह पूर्ण अंक लेकर उत्तीर्ण होगा!
यानी फुल मार्क्स लेकर पास होगा! परंतु विषांक के पास ये ज्ञान, ये सारी नॉलेज आई कहां से?
मैं सिर्फ इतना बता सकता हूं कि विषांक के पास कुछ अद्भुत मानसिक और यौगिक शक्तियां हैं!
उसके शिक्षक के अनुसार उसको हजार पृष्ठ की एक पुस्तक याद करने में सिर्फ पांच मिनट लगते हैं!
वह पुस्तक को टेढ़ा करके पन्नों को फड़फड़ाता है और हर पृष्ठ उसके दिमाग में छपता जाता है।
कुछ महीनों पहले जब विषांक विद्यालय में नया-नया आया था तो कुछ विद्यार्थियों ने उसके बाल काटने की चेष्टा की थी! पर विषांक के बालों ने उनके हाथों को जकड़कर उनको बंदी बना लिया था!
विषांक के बारे में मुझको थोड़ा विस्तार से बताओ नागराज! ताकि मैं उसके भविष्य के लिए सही प्रकार से योजनाएं बना सकूं!
विषांक अपने जन्म से ही अद्भुत बालक है वेदाचार्य! दरअसल उसका जन्म एक षड्यंत्र के तहत हुआ था! विषांक के कोई प्राकृतिक माता-पिता नहीं हैं! उसका जन्म एक कृत्रिम यांत्रिक गर्भाशय में हुआ था! और ऐसा यंत्र-ज्ञाता गुरुदेव ने नागद्वीप के स्वर्गवासी राजा की भस्म और नागपाशा की कोशिका को जोड़कर किया था!
गुरुदेव! यानी तुम्हारे दुष्ट चाचा अमर नागपाशा का षड्यंत्रकारी गुरु! पर ऐसा करके उसको क्या मिला?

विषांक का जन्म नागपाशा और नागद्वीप के राजा मणिराज की भस्म के मिश्रण से हुआ था! इसीलिए विषांक जन्म से ही नागद्वीप का उत्तराधिकारी बन गया था और उसका आधा पिता होने के कारण नागपाशा का नागद्वीप के खजाने पर अधिकार हो गया था!
ओह हां! अब मुझको सब याद आ गया! मैंने ही तो उस शिशु को एक तिलिस्म में रखकर उसके शरीर से नागपाशा की कोशिकाओं को नष्ट कर दिया था!
लेकिन लगता है कि कोशिकाएं नष्ट होने के बाद भी उनके अद्भुत गुण विषांक के शरीर में ही रह गए होंगे! और नागराजा मणिराज की भस्म में मौजूद जीवन तत्त्वों के साथ मिलकर उन्होंने विषांक में अद्भुत शक्तियां जाग्रत कर दी होंगी!
विषांक का सामान्य बालक की तरह पालन-पोषण करना भी संभव नहीं है नागराज! लगता है कि ईश्वर ने उसको किसी खास काम के लिए धरती पर भेजा है।
बस, एक ही दिक्कत है! यह बोलता नहीं है! जो न बोले, समझो कि वह शैतान विषांक है!
ये...
ये...
पर मैं शैतान तो नहीं हूं!

Amaan
तुम तो बोल रहे हो!
पर कैसे?
इतनी जोर से मत चिल्लाओ नागराज! वर्ना गला खराब हो जाएगा! और तुम नहीं बोल पाओगे!
सिल्लू! तो ये तुम्हारा काम है!
यस, माई डियर चेले नागराज!
पर तुमने किया क्या है? तुम तो कंप्यूटर एक्सपर्ट हो, डॉक्टर नहीं!
वही तो किया है मैंने! इसकी गर्दन के पीछे एक 'वायस माड्यूलेशन सॉफ्टवेयर' को चिपका दिया है! और एक माइक्रोस्पीकर इसके दांतों में फिट कर दिया है!
ये दोनों ही चीजें बायो-एनर्जी से चलती हैं! यानी इनको चलाने लायक एनर्जी विषांक के शरीर से ही मिल जाएगी!
विषांक के गले में होने वाली मामूली से मामूली हरकत को ये सॉफ्टवेयर भांप लेगा और उसको आवाज में बदलकर स्पीकर के जरिए सबके कानों तक पहुंचा देगा!
यानी अब विषांक बोल सकेगा और हम सब सुन सकेंगे!
ये तो कमाल हो गया!
अब तुम खुशी से चिल्लाना बंद करोगे तो सुन सकोगे न?
नागराज!
ये तो भारती की आवाज है!
मैं अभी नहीं आ सकता भारती! अभी मुझको विषांक से ढेर सारी बातें करनी हैं!
विषांक से बातें? दिमाग खराब हो गया है तुम्हारा! जल्दी आओ! अर्जेंट मैटर है!
ओफ्फो! आता हूं!

क्या हुआ, भारती? तुम्हारे चेहरे पर हवाइयां क्यों उड़ रही हैं?
अभी-अभी सिमरन का सेटेलाइट फोन पर वीडियो मैसेज आया था!
और फोन कटने के ठीक पहले वीडियोफोन के कैमरे ने जो कैद किया वह ये था...
हे भगवान! ये क्या है?
लेकिन वो तो अंटार्टिका गई हुई है न? वहां पर मौजूद इंडियन बेस लैब पर कोई प्रोग्राम बनाने!
वहीं से ही उसका फोन आया था! बीच में ही फोन कट गया!
पता नहीं! लेकिन इतना जरूर पता है...
...कि सिमरन के साथ-साथ वहां मौजूद हर इंसान की जान खतरे में है!
तब तो मुझको तुरंत वहां पर पहुंचना होगा!
मैं अभी हैलीकॉप्टर का इंतजाम करती हूं! वह तुमको आठ घंटे में अंटार्टिका की बेस लैब में पहुंचा देगा!
इतना वक्त नहीं है भारती! मैं अपने जलसर्प मित्रों की मदद लूंगा! वे मुझको हैलीकॉप्टर से कहीं जल्दी पहुंचा देंगे!
कुछ ही देर बाद-
अपना ध्यान रखना नागराज!
चिन्ता मत करो भारती!
मैं जल्दी ही लौटूंगा! और अच्छी खबर के साथ लौटूंगा!

उदास मत हो विषांक! नागराज जल्दी ही वापस आ जाएगा! तब तक मैं और तुम बातें करेंगे!
अरे! ये तो सो गया! अच्छा ही है! आज इसकी नई क्लास का पहला दिन है! थोड़ा रेस्ट कर लेगा तो फ्रेश हो जाएगा!
मैं इसको पहले स्कूल छोड़ूंगी। और फिर ऑफिस जाऊंगी।
विषांक सो नहीं रहा था-
उसने ध्यान लगाया हुआ था-
उसको शायद आने वाली मुसीबत का आभास हो गया था-
इसीलिए वह नागराज पर नजर रखना चाहता था-
क्योंकि षड्यंत्र काफी गहरा था-
क्या नागराज के साथ ऐसा करना जरूरी है?
और उसको गलत आभास नहीं हो रहा था-

कहीं हम नागराज पर हमला करके 'आ बैल मुझे मार' वाला काम तो नहीं कर रहे हैं?
नहीं! नागराज को बगैर रास्ते से हटाए हम उस सिस्टम पर कभी कब्जा नहीं कर सकते जो इस दुनिया को चलाता है। अगर वह जिन्दा रहा तो हमारा सिस्टम खराब कर देगा!
तो अब हमको अपने सिस्टम पर काम शुरू कर देना चाहिए!
बिल्कुल सही! अपनी प्रयोगशाला की इस महाज्ञानी फौज को छोड़ दो इस दुनिया में।
ये जाकर इस दुनिया के हर उस पद को हासिल करेंगे जो दुनिया में अपनी अहमियत रखता है!
फिर आदेश देंगे ये और दुनिया चलेगी इनके आदेशों पर। और ये चलेंगे हमारे आदेश पर!

"बिल्कुल सही। लेकिन ये सीधा सादा और सिम्पल सा प्लान तभी कामयाब हो सकता है... जब नागराज का सिस्टम फेल हो जाए।"
धन्यवाद दोस्तों! तुमने मुझको जिस गति से यहां तक एक घंटे में ही पहुंचा दिया है उतनी देर में तो आधुनिक विज्ञान का कोई भी वाहन मुझको नहीं पहुंचा सकता था!
अब तुम लोग थोड़ी देर यहां इंतजार करो! मैं मामला निपटाकर अभी वापस आता हूं!
वह रहा भारतीय बेस कैंप! लेकिन यहां पर तो शांति लग रही है!
शायद वह मुसीबत जो भी थी, बोर होकर खुद ही भाग गई है!

या शायद नहीं!
हे देवकालजयी! ये तो... ये तो एक बर्फीला भालू है। लेकिन इसकी ये हालत कैसे हो गई है!
"विषांक! विषांक! अरे, उठो विषांक!"

...सो गए क्या? देखो स्कूल आ गया है!
नागराज!
अच्छा! तो तुम नागराज के सपने देख रहे थे! अब सपने देखना छोड़ो...
...पीछे से बैग उठाओ, और स्कूल जाओ!
विषांक का तो ध्यान कहीं और ही था-
बाय विषांक! छुट्टी के समय ड्राइवर तुमको लेने आ जाएगा!
ध्यान टूटने से मेरा संपर्क नागराज से टूट गया है!
मुझको कोई एकांत जगह ढूंढनी होगी जहां पर मैं ध्यान लगा सकूं!
और फिर से नागराज तक पहुंचकर उसकी कुछ मदद कर सकूं!
शहर के बड़े लोगों के मुंह से मैंने सुना है कि ध्यान लगाने की सबसे अच्छी और एकांत जगह टॉयलेट है, जहां कोई भी परेशान नहीं करता!
आज इसको भी आजमा लेता हूं!
वैसे भी स्कूल शुरू होने की घंटी बज चुकी है!
सभी बच्चे क्लासों में होंगे! यहां पर कोई होगा भी नहीं!
कोई! अरे! यहां पर तो दो लड़के हैं!
ओए! ये तो पोनीटेल है! वेदाचार्य का चमचा! ये रिपोर्ट कर देगा कि हम सिगरेट पी रहे थे!
बंद कर दे इसे टॉयलेट में!
बच्चों को बंद कमरे से डर लगता है! डर जाएगा तो फिर नहीं बताएगा!

छोड़ दो उसे!
तू कौन?
से, पावभाजी! ये बायज टॉयलेट है!
गर्ल्स टॉयलेट साथ में है! आजा फूट ले!
पहले उसको छोड़ो! वर्ना...
वर्ना? वर्ना क्या कर लेगी तू पावभाजी?हम सवा सेरों से टकराएगी क्या?
लड़के को तो बंद कर दिया...
...इसको भी बंद कर देते हैं! फिर किस्सा ही खत्म हो जाएगा!
आऊ sss

अच्छा है! ध्यान लगाने की जगह तो मिली! पहले नागराज का हाल देख लूं, फिर इस लड़की को इन स्टूडेंट्स से बचाऊंगा!
नागराज तक पहुंचने में मुझे ज्यादा समय नहीं लगना चाहिए!
वह बच्ची जो भी थी, उसको विषांक की मदद की जरूरत नहीं थी-
तड़ाक
अच्छे बच्चे टॉयलेट में सिगरेट नहीं पीते!
आऽऽऽह!
सिर्फ टॉयलेट करते हैं!
लेकिन फर्श पर नहीं!
तड़ाक
सही जगह पर!
ओ.के.?

विषांक इस लड़ाई से दूर, ध्यान में था-
बस कुछ ही देर में मैं नागराज तक पहुंच जाऊंगा!
ओफ! टॉयलेट के लॉक में चाबी लगी थी और इन लड़कों ने चाबी को घुमाकर तोड़ दिया है! अब ये दरवाजा कैसे खुलेगा? अंदर से तो कोई आवाज भी नहीं आ रही है!
हे फ्रेंड! तुम ठीक तो हो न? आर यू ऑल राइट?
TOILET
आर यू ऑल राइट? जवाब दो!
लगता है वह डर के मारे बेहोश हो गया है!
दरवाजा खोलना ही होगा! बिना चाबी के!
और ये काम कैसे करना है ये मुझको पता है!

वह रहा इंडियन बेस! नागराज उसी के पास है!
"ऐ फ्रेंड! उठो! बेहोश हो गए हो क्या-?"
"उठो-"
उठो और चलो यहां से!
किसी ने मुझको बायज टॉयलेट में देख लिया तो नाक कट जाएगी मेरी!
आऊ! तुम्हारे हाथ इतने गर्म क्यों है?
और ये दरवाजा कैसे जल गया?
जासूसी ही करते रहोगे या बाहर भी चलोगे!
BOYS
वाऊ! बाल-बाल बचे!
तुम भी और मैं भी!
वैसे मेरा नाम शमा है! फोर्थ क्लास! और तुम?
मैं विषांक! इस साल से मैं सिक्स्थ क्लास का स्टूडेंट हूं! पर मैं तुमसे हाथ नहीं मिलाऊंगा!
अभी इस हाथ से मुझे ढेर सारा होमवर्क करना है!
ओ.के.! कूल! मैं समझ गई कि तुम... समझ गए हो! राइट? बाय सी यू!

अब मैं फिर से कहीं और जाकर ध्यान...
विषांक!
गई भैंस पानी में!
तुम यहां क्या कर रहे हो? क्लासेस शुरू हो चुकी हैं!
चलो! अपनी क्लास में चलो!
ठीक है सर!
तुम... तुम बोल रहे हो! व्हाट ए सरप्राइज! वैरी गुड!
वैरी गुड!
अब आओ!
ओफ्! अब मौके का इंतजार करना पड़ेगा!
"शायद नागराज को मेरी मदद की जरूरत ही न पड़े-"
ये सब किसी षड्यंत्र का हिस्सा लगता है!
भालू का रूप बदलना और मुझको यहां पर बुलाया जाना सब पहले से तय था!
पर ये षड्यंत्र रचा किसने है और वह क्या हासिल करना चाहता है!
इस सवाल का जवाब मुझको तभी मिलेगा जब मैं जिन्दा रहूंगा!
पर इस भालू के चाकू जैसे नुकीले नाखून मुझे काट डालने पर उतारू हैं!

पर इस भालू में ये अद्भुत शक्तियां आईं कहां से?
यह इंडियन मिशन इस इलाके में बीस सालों से है! और आज पहली बार किसी सफेद भालू ने यहां पर हमला किया है! क्योंकि आमतौर पर सफेद भालू शांत होते हैं और आदमियों पर न तो हमला करते हैं और न ही उनको खाते हैं!
मेरे सर्प शून्य से तीस डिग्री के नीचे के इस तापमान में ज्यादा कारगर सिद्ध नहीं होंगे!
विषफुंकार भी ठंडी होकर जमती जा रही है और अपना असर नहीं दिखा पा रही है!
यानी इसको पूरा कुश्ती स्टाइल में ही काबू में करना होगा।
नागराज के उस दांव को सफेद भालू सह नहीं पाया-
रीढ़ की हड्डी कड़कड़ाने की आवाज उस शांत वातावरण में गूंज उठी-
कड़ाककक
अब इसका इलाज भी करवाना पड़ेगा। ऐसे नायाब जीव को मरने के लिए छोड़ नहीं जा सकता
लेकिन पहले जाके लैब में मौजूद वैज्ञानिकों और रिपोर्टरों को बता दूं कि वे अब सुरक्षित हैं

अरे! यहां पर तो सभी बेहोश पड़े हुए हैं!
अंदर की हवा में अजीब सी गंध है! बेहोशी की गैस की!
किसी ने यहां के एयर कंडीशनिंग सिस्टम में गैस छोड़ी है!
यानी यहां पर आलू के अलावा कोई और भी है! पर कौन है वह?
और वह जो भी है, वह नजर क्यों नहीं आता?
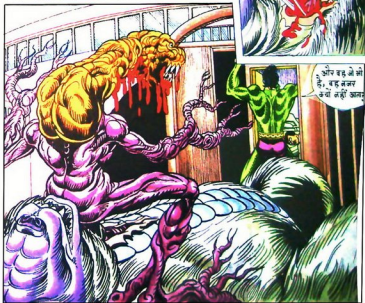
ये है तुम्हारी नई क्लास, विषांक!
तुम्हारे नए क्लास टीचर भी आते ही होंगे! आज उनका भी पहला दिन है!
इस क्लास को पढ़ाने का?
नहीं! सिर्फ पढ़ाने का! आज वो अपनी जिन्दगी में पहली बार पढ़ाएंगे!
आओ विषांक यहां पर बैठो! ये सीट खाली है!
मुझे इंटेलीजेंट फ्रेंड्स बहुत पसंद हैं! तुम तो इंटेलीजेंट हो न! नेशनल स्कॉलरशिप के लिए भी भेजा गया है! वैसे तो भी अच्छे मार्क्स पर पापा मम्मी को नहीं लगते! कहते कम हैं...
तुम्हारा नाम क्या है?
हं हां हं हां! मैंने अपना नाम नहीं बताया! लतिका! नाम लतिका है!
ओए! मर तो मर पर पैर रखकर भाग गए! अभी आए ही नहीं! पर...
पर वो देख!
ये छटंकी तो अपनी ही क्लास में है! अच्छा हुआ!
ये हमारे राज्य में आ गया है! अब तो इसको हमारा दरबारी बनना ही पड़ेगा।
क्यों, वे...
खड़ी बड़ी!

मैं तुम्हारा नया क्लास टीचर हूं!
क्या ?
नागराज-
ओह! अब समझ में आया कि भालू इतनी आसानी से हार कैसे गया ? दरअसल वह मुझसे लड़ नहीं रहा था! बल्कि खुद दर्द से तड़प रहा था! क्योंकि ये जीव उसके अंदरूनी हिस्सों को खाकर खुद बड़ा हो रहा था!

यानी मेरा असली मुकाबला इस परजीवी से है!
और अगर मुझको इस षड़्यंत्र को रचने वाले तक पहुंचना है, तो मुझको परजीवी को परलोक पहुंचाना ही पड़ेगा!
घड़ाक
क्या संभावना है? परजीवी नागराज को मार पाएगा या नहीं!
सौ प्रतिशत संभावना है! इस परजीवी की खासियत ही दूसरों के शरीर को खाकर बड़ा होना है! फिर चाहे वह शरीर सफेद भालू का हो...
...या नागराज का! इसको जहर-वहर से कोई फर्क नहीं पड़ता!
फिर तो नागराज को मारने के बाद परजीवी हमारे लिए भी खतरा बन सकता है! हमको भी चट कर सकता है!
पहले मैं जहर उतारने का तरीका सोचता हूं और फिर सांप के बिल में हाथ डालता हूं!
इसको मैंने बनाया है! और मैं इसको खत्म करने का तरीका भी जानता हूं!
तुम तो सिर्फ नागराज के मरने का तमाशा देखो!

नागराज के सिर परजीवी की शक्तियां एक रहस्य थीं-
मुझको पता नहीं है कि ये मुझको क्या नुकसान पहुंचा सकता है! लेकिन मैं इसको नुकसान पहुंचाने से पहले ही खत्म कर दूंगा!
तड़ाक्क
और इसको अंटार्टिका की उस ठंडी बर्फ में दफन कर दूंगा जहां पर इसके जैसे घातक जीवाणु युगों तक निष्क्रिय पड़े रहते हैं!
कड़ड़ाक
और अब मैं ढूंढूंगा उस षड़यंत्रकारी को!
वह जो कोई भी है, मेरे आसपास ही है!
तुम जिन्दा रहना चाहते हो तो पीछे देखो, नागराज!
वह रहा! पर य तो एक... बच्चा लग रहा है!
ऐssss जिन्दा रहना चाहते हो तो नीचे आओ!

Amaan
आऽऽऽऽह! बर्फ का ठंडा पहाड़ भी परजीवी को शांत नहीं कर पाया! और अब इसने अपने अंग मेरे शरीर के अंदर घुसा दिए हैं!
सिर्फ घुसाए नहीं हैं नागराज! अब ये अंग तुम्हारे अंदर बढ़ेंगे! पेड़ की जड़ों की तरह!
और तुम्हारे हर अंग तुम्हारी हर नस में घुसकर वैसे ही तुम्हारी ऊर्जा को पी जाएंगे जैसे जड़ें, जमीन से अपना पोषण खींचती हैं!
इनसे बचना मेरे लिए मामूली सा काम है, बच्चे!
मुझको सिर्फ इच्छाधारी कणों में बदलना है और...
... और ये भी तुम्हारे साथ उन कणों में बदल जाएगा! क्योंकि इस वक्त ये तुम्हारे शरीर का ही एक अंग हैं!
आऽऽऽह! यह तो मैं भूल ही गया था! इसने मेरे बारे में पूरी स्टडी कर रखी है!
अब मैं क्या करूं अपने आपको बचाने के लिए?

नागराज के रक्त में ही पैदा होने वाले सूक्ष्म सर्प बड़ी जांबाजी से नसों में बढ़ती जड़ों का मुकाबला कर रहे थे-

परंतु परजीवी के अंग उनको भी अपना आहार बनाते जा रहे थे-

नागराज की ताकत को परजीवी बहुत तेजी से पीता जा रहा था-

आऽऽऽह! इतनी भयानक ठंड में मैंने अब तक तो अपने आप को संभाले रखा था! पर अब मेरी ताकत जवाब दे रही है!

वैसे हम सभी एक तरह के परजीवी ही हैं। किसी न किसी को खाकर ही जीवित रहते हैं!

अरे वाह! ये कैसा ख्याल मेरे दिमाग में आया है? शायद ये ख्याल ही मुझको बचा सके! अगर हम सभी परजीवी हैं तो मेरे सांप भी तो परजीवी ही हैं!

अब बस ये देखना है कि परजीवियों की लड़ाई में कौन जीतता है!

नागराज के हाथ परजीवी के शरीर को फाड़ते हुए अंदर घुस गए-

और समय ने निर्णय कर दिया-
परजीवी का शरीर जमीन पर गिरकर सिकुड़ता चला गया-
हा हा हा! यही था नुस्खा हल सूफ तरीका! अब मेरा तरीका देखो।
बहुत अच्छे नागराज! हमें तुमसे यही उम्मीद थी! तुम दो छोटी-छोटी लड़ाइयां जीत गए!
पर युद्ध हम जीतेंगे!
हम एक नहीं हैं, नागराज...
...हम अनेक हैं!
हम? अपना व्याकरण सुधारो!
एक व्यक्ति अपने आपको 'हम' नहीं, 'मैं' कहता है!
और युद्ध अब शुरू होता है!
कुछ समझ में नहीं आ रहा है! सब कुछ बेतुका लग रहा है!
पहले भालू, फिर परजीवी और अब बच्चों की फौज!

वैसे इन बच्चों से निपटना ज्यादा मुश्किल काम नहीं...
... ओऽऽऽ
बस, बहुत हो गया! अब मैं हमलावरों से हमलावरों की तरह ही निपटूंगा!
भीषण ठंड ने नागराज के शरीर और दिमाग पर जोर डालना शुरू कर दिया था-
और हमलावरों के लड़ने का तरीका यह साफ-साफ बता रहा था, वे नौसिखिए नहीं उस्ताद हैं-
पर नागराज उस्तादों का उस्ताद था-
ताकत से और सख्ती से!
आऽऽऽह!
उसकी सोच और शरीर की फुर्ती दोनों ही धीमी पड़ गई थीं-
नुकीली और बर्फीली चट्टान उस बच्चे के पेट में धंसती चली गई-

ओह! यह मैंने क्या किया? अंजाने में एक मानव के प्राण ले लिए!
शोक मत करो!
क्योंकि हम मर नहीं सकते!
क्या?
नागराज के लिए यह एक और झटका था-
क्योंकि हमको इनसे कोई खतरा नहीं है!
और अब उसके सामने एक ही रास्ता बचा था-
एक भीषण जवाबी हमला-
ओह, ध्वंसक सर्प! हमने सुना है इनके बारे में! पर हम इनसे बचने की कोशिश नहीं करेंगे!
ध्वंसक सर्पों के वार ताबड़तोड़ होते रहे-
पर दुश्मन, नागराज की तरफ बढ़ते रहे-

लेकिन वे नागराज तक नहीं पहुंच पाए-
कुइइइ
ओऽऽऽ
इइइइ
बचाओ!
इइइइ
बच्चे, बच्चे ही रहेंगे! मैं ध्वंसक सर्प तुम पर नहीं, उस बर्फीली पर्त पर छोड़ रहा था जो समुद्र के इस पानी के ऊपर जमी हुई है!
शीतनाग!
मैं तुम्हारे बुलाने का इंतजार ही कर रहा था, नागराज! अब तक तुमने मुझको क्यों नहीं बुलाया था?
क्योंकि तुम्हारी शीत शक्तियां ही अब तक मेरे शरीर को इस कड़कड़ाती ठंड से बचा रही थीं! तुम्हारे शरीर से बाहर आते ही मेरा शरीर जमने लगा है!
अब तुम फटाफट पानी में डूबते इन बच्चों के ऊपर बर्फ की मोटी पर्त जमा दो!
कुछ ही पलों बाद अमर हमलावर एक अनोखी कैद में थे-
अब इससे पहले कि कोई और खतरा आए, हमको लैब के कर्मचारियों को यहां से ले जाना होगा!
रेस्क्यू हेलीकॉप्टर अब आता ही होगा!
अब... ओह!
आओ, नागराज! लगता है तुमसे जीत पाना बहुत मुश्किल है!
अब तुम मुझ पर गोली चलाओगे!
चलाओ!

तुम मेरा दूसरा हाथ नहीं देख रहे हो नागराज! गोली मैं इन पर चलाऊंगा!
नहीं! इन पर गोली मत चलाना! क्या चाहते हो तुम?
तुमको नागराज!
इस इंजेक्शन को लगा लो!
क्या है इसमें?
इन सभी बेहोश लोगों की जान बंद हैं इसमें! इसको लगाओ! वर्ना...
फैसला कठिन था-
लेकिन जब निर्दोषों की जान दांव पर लगी हो-
तब नागराज निर्णय लेने में एक पल भी नहीं लगाता था-
इंजेक्शन में भरा द्रव नागराज की रगों में उतरता चला गया-
और कुछ ही पलों में नागराज एक हाड़ मांस की मूर्ति बन चुका था-
मिशन कंपलीट सर! सुपर कूल टोनर ने नागराज के खून को जमा दिया है! अब वह तभी जागेगा जब आप चाहेंगे!
इसको मारने से पहले हम इसको उस गुलाम समाज की एक झलक जरूर दिखाएंगे! इसको हमारे गुप्त प्रिजरवेटिव चैम्बर में रखवा दो!
और वह हम तभी करेंगे जब हम उस समाज के मालिक बन जाएंगे जिसको नागराज बचाता आया था!

कुछ ही पलों के बाद नागराज का शरीर इस दुनिया की नजरों से दूर हो जाने वाला था-
डॉग-स्लेज नागराज को लैब से दूर अंटार्कटिका के ठंडे संसार में खींचती चली गई-

और जब रेस्क्यू हेलीकॉप्टर, लैब तक पहुंचा तो-

यस मैडम! हमारी न्यूज टीम के साथ-साथ लैब के वैज्ञानिक और कर्मचारी भी बेहोश थे! एक भालू की कटी फटी बॉडी भी पास में मिली है! लेकिन नागराज का कहीं पता नहीं है!

काम पूरा हो जाने के बाद रुकना नागराज की आदत नहीं है!

वह कहीं और अपराध का विनाश करने के लिए चला गया होगा! तुम उसकी फिक्र मत करो! हमारे स्टॉफ के लोगों के साथ-साथ लैब के कर्मचारियों को भी लेते आओ! उनको तुरंत मेडिकल सहायता पहुंचानी जरूरी है!

नागराज को अंटार्टिका में ऐसा कौन सा मैसेज मिल गया जो वह बगैर मुझको स्टॉफ के बारे में खबर किए वहां से गायब हो गया?

चक्कर क्या है?

वेदाचार्य विद्यापीठ में-

यार, ये टीचर बच्चा सा जरूर लेकिन ये पहला ऐसा टीचर है जिसका पढ़ाया हुआ समझ में आ रहा है!

हे भगवान! ये पीरियड कब खत्म होगा और कब मैं ध्यान लगा पाऊंगा!

विषांक!

विषांक, तुम मेरे पढ़ाने पर ध्यान नहीं दे रहे थे।
ह... नहीं सर! मैं सुन रहा था!
सुन रहे थे तो मुझको बताओ कि मैं क्या पढ़ा रहा था!
आप इलेक्ट्रोमेग्नेटिक स्पेक्ट्रम के बारे में बता रहे थे! आपने बताया था कि हीट और लाइट भी इसी स्पेक्ट्रम का एक भाग है...
...इलेक्ट्रोमेग्नेटिक स्पेक्ट्रम...
विषांक बोलता चला गया और काले चश्मे के पीछे छुपी टीचर की आंखें चौड़ी होती चली गईं-
एमेज़िंग! आश्चर्यजनक!
मुझको पूरा यकीन है कि जब मैं पढ़ा रहा था तो ये कुछ और ही सोच रहा था!
लेकिन फिर भी जो मैंने पढ़ाया था, वह इसने वर्ड-टू-वर्ड सुना दिया!
इस स्टूडेंट में कुछ अद्भुत बात है।
ओह! लंच हो गया! क्लास ओवर!
बहुत टाइम खराब हो गया! अब तक तो नागराज काम पूरा करके वापस भी आ गया होगा!
फिर भी मैं कोई शांत जगह ढूंढकर उसको ढूंढने की कोशिश करूंगा!
लेकिन विषांक के लिए काम इतना आसान नहीं था-
अब इस पेटीटेल के पीछे रहना होगा! अगर इसने प्रिंसिपल रूम की तरफ कदम भी बढ़ाया!
तो मैं इसके दोनों पैर तोड़ दूंगा! ये नजर से ओझल न होने पाए!

ओफ़! ये दोनों तो मेरे पीछे पड़ गए! अब इनकी नजरों से दूर कैसे जाऊं?
ऐ विषांक! आज मैं लंच तेरे साथ करूंगी! जरा पता तो चले कि तू खाता क्या है, जिससे तेरा दिमाग इतना तेज है!
ओ.के. न? कोई प्रॉब्लम तो नहीं है?
ओह लतिका! कोई प्रॉब्लम नहीं है! मैं तो ढेर सारे दोस्तों के साथ बैठकर खाना पसंद करता हूं!
तुम जरा उन दोनों को भी लंच के लिए ले आओ!
वो दोनों! रॉनी और जॉनी! वो तो 'बुली' हैं! उनसे कोई दोस्ती नहीं करता!
'बुली' यानी क्या?
बुली यानी... बुल जैसा! मतलब... वो दोनों दादागिरी करते हैं!
तब तो उनसे दोस्ती करना और भी जरूरी है! मैं जरा हाथ धोकर आता हूं! तब तक तुम उन दोनों को जैसे भी हो लेकर आओ!
ऐ ऐ रॉनी! ये टेलीफोन हमारी तरफ क्यों आ रही है?
गड़बड़ है यार! ये तो रॉंग नंबर पर भी आधे घंटे तक बात कर लेती है! इसने हमको पकड़ लिया तो लंच तो छोड़, ये छुट्टी तक का टाइम पी जाएगी!
फिर क्या करें?
फूट ले! जान बची तो विषांक का फिर से पीछा कर लेंगे!
भाग!
अरे ऐ! ऐ! रॉनी, पॉनी... मेरा मतलब जॉनी! आ जा, लंच तो कर ले! भाग गए!
और... अब ये विषांक कहां गया? हाथ धोने गया है या नहाने गया है! कितना टाइम हो गया!
चल, तू तो लंच कर ले लतिका! वर्ना कमजोरी से तो बोला भी नहीं जाएगा!
मेरा काम तो हो गया! अब किसी ऐसी जगह को ढूंढ़ना है जहां पर किसी की नजर मुझ पर पड़ ही न

कुछ ही पलों के बाद- विषांक एक अनोखी जगह पर बैठकर ध्यान लगा रहा था-
बगैर नागराज की हालत देखे मुझको चैन नहीं पड़ेगा! वह कहीं पर भी हो, मैं उसको जरूर ढूंढ निकालूंगा!
कुछ ही पलों के बाद विषांक का मानस रूप अंटार्टटिका की खाक छान रहा था-
इस लैब में तो कोई भी नहीं है! लगता है सभी हैलीकॉप्टर में जा चुके हैं!
पर नागराज तो उसमें नहीं था! उसने भालू को भी मार डाला है! यानी वह यहां का काम पूरा कर चुका था! फिर आखिर वह गया कहां?
अगर वह महानगर वापस आ चुका होता तो मुझको आभास जरूर हो जाता!
मुझको अपनी खोज का दायरा बढ़ाना होगा!
मानस तरंगों की गति प्रकाश से भी कई गुना तेज होती है! और इस गति पर उड़ते हुए विषांक के मानस रूप ने कुछ ही मिनटों में पूरे इलाके को छान मारा था-
कमाल है! नागराज का कहीं कोई पता नहीं है! मुझे उसकी मानस तरंगें तक नहीं मिल रही हैं!
आखिर वह है कहां पर?

नागराज यहाँ पर था-
शाबाश! तुम्हारे क्लोन बड़े काम के हैं, डीन! इन्होंने नागराज की सबसे बड़ी कमजोरी का फायदा उठाकर इसको सुषुप्तावस्था में पहुंचा दिया है!
और वह कमजोरी है निर्दोष जनता को बचाने के लिए अपनी जान तक को दांव पर लगा देना!
अब अपने सिस्टम पर काम शुरू कर दो! पूरी दुनिया के हर महत्त्वपूर्ण पद पर तुम्हारे क्लोन बैठे होने चाहिए!
वह काम तो पहले ही शुरू हो चुका है, मेरे रहस्यमय पार्टनर!
लेकिन ज़रा सोचो, इन बच्चों को कोई महत्त्वपूर्ण पदों पर क्यों बिठाएगा?
लालच के कारण! इंसान पैसा चाहता है, पॉवर चाहता है और तरक्की चाहता है! तुम्हारे क्लोनों के दिमाग में भरा इंटरनेट का पूरा ज्ञान उसकी इसी इच्छा को पूरा करेगा! और जब मानवों को इनसे फायदा होगा तो वे इनको सारे कायदे कानून ताक पर रखकर सिर आंखों पर बैठाएंगे!

लेकिन बच्चे ही क्यों? अगर ये क्लोन बड़े होते तो हमारा काम आसान हो जाता!
हालांकि ये क्लोन इंसानों के मुकाबले दस गुना तेजी से बढ़ते हैं, लेकिन फिर भी हमारे पास इतना समय नहीं है कि हम इनके बड़े होने का इंतजार करें! याद रखो, नागराज के अलावा और भी ऐसे सुपर हीरो हैं जो हमारा खेल बिगाड़ सकते हैं!
पर एक बार सिस्टम के ऊपर कब्जा करने के बाद हम इनको अपने इशारों पर नचा सकते हैं! जेल तक में बंद करा सकते हैं। या फिर एनकाउंटर करा सकते हैं!
और फिर बच्चे अपने अभिभावकों के प्रति आज्ञाकारी होते हैं! इनसे अपनी बात मनवाना ज्यादा आसान है!
तुम काफी गहराई से सोचते हो, पार्टनर!
पर एक राज तो खोल दो!
पर वह अमर कोशिका तुमको मिली कहां से?
तुमने इनको अमर कैसे बनाया?
इनको अमर बनाने वाले गुण उस कोशिका में थे, जो मैंने तुमको क्लोन बनाने के लिए दी थी!
हालांकि क्लोन तो मैं स्वयं भी बना सकता था। पर मेरी तकनीक जरा पुरानी है! एक बार में एक ही क्लोन बनता है!
पर तुम एक आधुनिक माइक्रो बॉयोलोजिस्ट हो! तुम्हारे पास ऐसी तकनीक है जिससे तुम एक साथ ही ढेर सारे क्लोन बना सको!
सबकुछ आज ही जान लोगे तो आगे बात करने के लिए कुछ बचेगा ही नहीं! बात के बजाय काम में ध्यान लगाओ!
देखो कि तुम्हारे क्लोन सिस्टम पर कब्जा करने में सफल हो भी पा रहे हैं या नहीं!
हम सिस्टम पर कब्जा तो जरूर करेंगे!

लेकिन तुम्हारे लिए नहीं! अपने लिए! क्लोन, इंसानों पर राज करेंगे, इंसान क्लोन्स पर नहीं!
ये... ये क्या बकवास है! जाओ और जाकर वह काम करो जो तुमको दिया गया है!
हम पर हुक्म चलाने की कोशिश मत करो! वर्ना मारे जाओगे!
तड़ाक
आऊऽऽऽ
लो, पार्टनर! अब निपटो इनसे! इनको तो मैं मार भी नहीं सकता! क्योंकि तुमने इनको अमर बना दिया है!
अब इन अमर क्लोन्स को मानवों पर राज करने से कोई नहीं रोक सकता!
तुमको झाड़ू लगाना आता है या नहीं?
अब तुम हमारे बंदी हो! अपने आपको तकलीफ से बचाना चाहते हो तो आत्म-समर्पण कर दो!
जरूर, जरूर! क्यों नहीं! आओ और हमको पकड़ लो!
लेकिन ये क्या? तुम्हारे हाथ तो गल रहे हैं!
गलते हाथों से तुम हमको कैसे पकड़ोगे?

अरे लो! तुम तो शर्म से पानी-पानी हो गए। अच्छी बात है! जो बच्चे अपने अभिभावक को ही धमकी दें, उनको तो शर्मिन्दा होना ही चाहिए!
ये... ये कैसे हो गया? ये तो अमर थे!
प्लास्टिक की तरह! जिसको जमीन में गाड़ भी दो तो भी सैकड़ों सालों तक भी नष्ट नहीं होती! पर माचिस की एक जलती तीली उसका रूप बिगाड़ देती है!
पार्टनर की सोच एकदम सही थी-
इस दुनिया के सिस्टम को लालच ही चला रहा था-
पैसे का लालच-
ये आप क्या कह रहे हैं, चेयरमैन साहब! अब इस 10,000 करोड़ की कंपनी को एक बच्चा चलाएगा! ये बनेगा मैनेजिंग डायरेक्टर!
सही समझे! मैं तो इनसे मिल भी नहीं रहा था! पर एक बार इनसे बात करके मेरी तो आँखें खुल गईं!
इनके आइडिए कंपनी को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं!
ऐसे आइडिए तो आपके दिमागों में पिछले पच्चीस सालों में भी नहीं आए!
अब अगर तुम सब भी गलना नहीं चाहते हो तो जाकर वह काम पूरा करो जिसके लिए तुमको पैदा किया गया है!
कमाल है! पर ये तुमने किया कैसे, पार्टनर? कैसे?

जबकि आप सभी लोग कंपनी से लाखों की तनख्वाहें लेते हैं!
और ये मिस्टर शशांक सिर्फ पांच हजार रुपए पर काम करने के लिए तैयार हैं!
आज से आप सभी मिस्टर शशांक को रिपोर्ट करेंगे!
मीटिंग इज ओवर!
पॉवर का लालच-
आपके पास चाहे दो विधायक हों या एक भी न हों, फिर भी मैं आपको इस राज्य का मुख्यमंत्री बना सकता हूं!
हां हां! जैसे कि मैं अलादीन हूं और तू चिराग का जिन्न!
जिन्न ही समझ लो! मैं जानता हूं कि विधायकों को कैसे पटाया जाता है!
ठीक है! तुझमें कॉन्फिडेंस लगता है! ये जुआ भी खेल लेते हैं!
बता, कितना पैसा लगाना है इस काम में?
जब जरूरत होगी तब बता दूंगा! पर मेरी एक शर्त है!
बोल! बोल! बिना शर्त के जुआ कैसा? क्या शर्त है तेरी?
तुम्हारे मुख्य मंत्री बनने के बाद मैं तुम्हारा मुख्य सलाहकार रहूंगा!
और तुम मेरी हर बात मानोगे!
वर्ना जैसे मैं तुमको मुख्यमंत्री बनाऊंगा, वैसे भिखारी भी बना सकता हूं!
डरा मत यार! मुझको तेरी हर शर्त मंजूर है!
पहले मुझको मुख्यमंत्री तो बना!
तरक्की का लालच-
एक नए प्रोटीन की खोज! अरे, इस खोज में तो हम अपने बीस साल बर्बाद करके निराश हो चुके थे!
इस फार्मूले को तुम्हारी लैब पा सकती है! पर मुझको यहां का C.E.O. बनाने के बाद!
मंजूर है!

दिन पर दिन गुजरते आ रहे थे, और क्लोन्स का शिकंजा दुनिया के बकिंग सिस्टम पर कसता जा रहा था -
दो विधायक वाले रवीमराम यादव राज्य के मुख्यमंत्री बने! उनकी दो विधायक वाली पार्टी को दूसरी पार्टियों के 52 विधायकों का समर्थन प्राप्त है! उन्होंने अपना सलाहकार पन्द्रह वर्ष के एक लड़के को नियुक्त किया है! ...
... बायोटेक लैब ने अपना C.E.O. सोलह वर्ष के रघुकुल को बनाया है! दुनिया की बीस सबसे बड़ी कंपनियों में से बाहर के एम. डी. अट्ठारह वर्ष से नीचे के बालक या बालिका हैं!
कमाल है। एक-एक ये सुपर इंटेलीजेंट बच्चों की फौज कहां से आ गई? कल एक बच्चा मुझसे भी मिलने आया था! भारती कम्युनिकेशंस का एम. डी. बनने के लिए! आखिर कौन हैं ये बच्चे?
ये बच्चे एक खास अनाथालय के हैं! इसको डीन नाम के एक स्वयंसेवी चलाते हैं। उन्होंने ही एक ऐसी क्रांतिकारी पढ़ाई का तरीका ईजाद किया है! जो बच्चों को ज्ञान का भंडार बना देता है!
मैंने भी एक महीने पहले वहां के एक बच्चे को टीचर नियुक्त किया था! अब उसकी काबलियत के कारण मैं उसको स्कूल का प्रिंसिपल बनाने जा रहा हूं!
कमाल है! तब तो मुझे भी उस बच्चे से मिलना चाहिए था जो ऑफिस में आया था! पर नागराज की सलाह के बगैर मैं उसको कोई भी पद नहीं दे सकती!
और नागराज को लापता हुए आज एक महीने से ज्यादा समय हो गया है! अब तो मुझको चिन्ता हो रही है!
क्योंकि आज तक नागराज बगैर किसी सूचना के इतने दिनों तक गायब नहीं रहा है!
मुझको भी इतने दिनों से नागराज का कोई पता नहीं मिला है! नागराज जरूर कोई खतरे में है!
पर मैं क्या करूं? किससे सलाह करूं? सिल्लू! यस! सिल्लू मेरी मदद जरूर करेगा!

और फिर-
और अब हमारे लेटेस्ट 'सुपर ग्राउण्ड' सेक्शन में एक और धमाकेदार न्यूज़ फ्लैश आया है!
विश्वस्त सूत्रों के अनुसार अमेरिका के राष्ट्रपति ने अपना सुरक्षा सलाहकार सत्रह वर्ष के एक युवक को नियुक्त करने का फैसला लिया है! अब तो अमेरिका में यह बहस भी चल पड़ी है कि राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की आयु को वर्तमान पैंतालिस से घटाकर पन्द्रह कर दी जाए!
वे ले मिल्लू! तू अपने आप को बड़ा इंटेलीजेंट समझता था न!
पर अब तो यहाँ पर तेरे कई बड़े भाई पैदा हो गए! और वह भी सब महत्त्वपूर्ण पदों पर हैं! तू तो खाली ही भौंकता रह गया!
मिल्लू!
तुमसे मिलने विषांक आया है!
हाय, विषांक! यहाँ कैसे? आज होमवर्क नहीं मिला है क्या?
मज़ाक मत करो गुरू! मैं नागराज के लिए परेशान हूँ!
नागराज अब तक वापस नहीं आया?
कोई खबर तक नहीं आई?
तब तो मामला सीरियस है! पर हम तो बच्चे हैं! और वह भी मामूली बच्चे! वो टी. वी. वाले सुपर बच्चे तो हम हैं नहीं! फिर हम करें क्या?
कुछ तो करना पड़ेगा! मैंने नागराज को दुनिया के हर कोने में ढूंढ लिया है! पर वह कहीं नहीं मिला!
एक मिनट! एक मिनट! मैं ठीक तो सुन रहा हूँ न! तुमने नागराज को पूरी दुनिया में ढूंढ लिया है! पर कैसे?
लगता है कि मुझको सच बोलना ही पड़ेगा! पर पहले प्रॉमिस करो गुरू कि तुम ये बात और किसी से नहीं कहोगे!
नहीं कहूंगा! पर ऐसा कौन सा सच है जो तूने अब तक मुझसे यानी अपने गुरू गाइड और दोस्त से छुपाकर रखा है!

तुममें कुछ शक्तियां हैं, मिक्कू! मैं ध्यान लगाकर अपने मानसिक रूप को कहीं भी भेज सकता हूं!
मोटी से मोटी किताब को भी कुछ ही मिनटों में याद कर सकता हूं! और मेरा ख्याल है कि इस मानसिक शक्ति को मैं हथियार की तरह भी इस्तेमाल कर सकता हूं!
वाऊ! लगता है आज मेरे भविष्य में सुपर बच्चों के बारे में जानना लिखा है!
ऐसी मेरे पास और भी शक्तियां हैं जिनका अभी मुझको भी पता नहीं है!
मैंने ऐसी ही मानसिक शक्ति से पूरे अंटार्टिका पर नागराज की खोज की थी! पर नतीजा जीरो निकला!
पर नागराज ऐसे कहां गायब हो सकता है! कोई न कोई निशान तो जरूर होगा न! याद करो, विषांक, याद करो! तुमने कुछ न कुछ तो ऐसा जरूर देखा होगा जो हमारी मदद कर सके!
मैंने जो कुछ भी देखा था, वह अभी भी मेरे दिमाग में छपा हुआ है! मैं एक बार फिर से उस पूरे दृश्य को छानता हूं! शायद...
विषांक के दिमाग में अंटार्टिका की खोज एक बार फिर घूमने लगी! और-

ओSSS! तुम ठीक कह रहे थे सिल्लू गुरू! इस बार मैंने एक नई चीज नोटिस की है! बर्फ के एक ढेर के पीछे कोई छुपा हुआ था!
"एक सुपर चाइल्ड-"
कौन?
"व्हाट?"
"हां, गुरू! बिल्कुल मेरे टीचर जैसा-"
सुपर चाइल्ड! और वह भी छुपा हुआ! यानी उसके इरादे ठीक नहीं थे! यानी... इन सुपर चाइल्ड्स का संबंध नागराज के गायब होने से है! देखा, हमको एक सूत्र मिल गया न!
थैंक्यू, गुरू! आज पहली बार भूख लग रही है! नागराज के गुम होने ने तो मेरी भूख-प्यास ही उड़ा दी थी!
चल सेलिब्रेट करते हैं! डॉमिनोज से पिज्जा मंगाते हैं! साथ में कोक फ्री!
और फिर-
हां! अब दिमाग चल रहा है! सुन! अगर सुपर चाइल्ड्स ने नागराज को गायब किया है, तब तो गड़बड़ है!
कैसी गड़बड़?
उन्होंने दुनिया की सारी पॉवर अपने कब्जे में ले ली है! ऐसे में अगर हम उनके खिलाफ गए तो वे हमको मार भी सकते हैं! और कोई कुछ पूछेगा भी नहीं!
लेकिन अगर उनको पता ही न चले कि हम कौन हैं तो?

ऐसा कैसे हो सकता है? हमने अगर सुपर किड्ज़ का रहस्य जानने की इतनी सी भी कोशिश की तो वे किसी न किसी तरह हमको ढूंढ ही लेंगे!
लेकिन अगर 'हम' ये काम 'कोई और' बनकर करें तो क्या होगा?
तुम्हारा मतलब...
यस गुरुजी! हम सुपर हीरोज की तरह अपनी एक 'सीक्रेट' आइडेंटिटी बनाएंगे!
एक गुप्त रूप!
और अगर सुपर किड्ज का कुछ पता चला भी तो वे हमारे गुप्त रूप को ढूंढते रह जाएंगे!
जैसे अभी हम नागराज को ढूंढ रहे हैं! नागराज का भी कोई गुप्त रूप ज़रूर होगा!
कहीं वह अपने गुप्त रूप में हमारे आसपास ही तो नहीं है?
नहीं, सिल्लू! वह कोई भी रूप धर ले, पर अपनी मानसिक तरंगों को तो नहीं छुपा सकता न!
मुझे उसकी मानसिक तरंगों का भी कोई पता नहीं चला!
ओ.के.! यानी यह तय हो गया कि हम एक गुप्त रूप बनाएंगे और सुपर किड्ज का राज जानकर नागराज को ढूंढने की कोशिश करेंगे! यानी...
...हम सुपर हीरो बनेंगे! याहू SSS
पर मैं सुपर हीरो कैसे बनूंगा? मेरे पास तो कोई पॉवर भी नहीं है! बगैर पॉवर के सुपर हीरो कैसा?
क्यों? ध्रुव बगैर सुपर पॉवर के सुपर हीरो है न!
उसके पास भी सिर्फ वही है जो तुम्हारे पास है गुरू! तेज दिमाग!
अब हमको जरूरत है सिर्फ नई पोशाकों की!
और एक नए नाम की!

दुनिया के सिस्टम पर कसते सुपर किड्स के शिकंजे का असर अब सामने दिखने लगा था-
दुनिया अब छटपटाने लगी थी-
ये! लूट मची है क्या? अभी एक हफ्ते पहले ही तो मैं इस दवाई को दो सौ रुपए में ले गया था!
हमें इतिहास मत पढ़ा! इस दवा की कीमत पांच सौ रुपए है! लेनी है तो ले वरना चलता बन! अरे, दवा कंपनी ने ही दाम बढ़ा दिए हैं! हम क्या करें?
पर... पर इस दवा के बगैर तो मेरा बच्चा मर जाएगा! ऐसा मत करो! मेरे पास पैसे नहीं हैं!
दवा दे दो!
तेरे बच्चे की जान बचाऊंगा तो मैं मर जाऊंगा भाई!
आ जा! अपना काम कर!
मेरे बच्चे से पहले तू मरेगा। अगर तूने दवाई नहीं दी तो!
ऐ! ऐ!
मारो इसे! और लूट लो सारी दवाईयां! जब मन आया दाम बढ़ा दिए! अंधेर मचा रखी है कमीनों ने!
जब से ये सुपर किड्ज आए हैं तबसे हम गरीबों का जीना मुश्किल हो गया है! हर चीज को धंधा बना लिया है इन लोगों ने!
हमारे पास भी इसका जवाब है! खरीद न सको तो लूट लो!
पुलिस! यहां पब्लिक मेरी दुकान लूट रही है! हां, जी! कर्जन रोड पर पारस मेडिकोज! जल्दी आइए!

पुलिस में भी 'सुपर किड्स' की घुसपैठ हो चुकी थी-
सभी रुक जाओ, और लूटा हुआ माल वापस दुकान में रख दो! वर्ना मुझको दंगा रोकने के लिए शूट एट साइट का आदेश देना पड़ेगा!
दंगा! हम दंगा नहीं कर रहे हैं! अन्याय का जवाब दे रहे हैं!
वैसे तो यह काम नागराज बखूबी करता था। पर उसकी अनुपस्थिति में ये काम हमको खुद ही करना पड़ेगा।
अरे, ये क्या समझेगा! ये भी तो एक सुपर किड ही है! उसी का भाईबंद जिसने दवा कंपनी का एम. डी. बनकर दाम बढ़ाए हैं!
मत सुनो इसकी! इसकी सुनी तो हमारे परिवार बीमारी से मर जाएंगे!
तो फिर मरो! मैं शहर की कानून व्यवस्था को बिगड़ने नहीं दूंगा!
शूट दि लूटर्स!
देखा! अब दुनिया का सिस्टम काफी हद तक हमारे कब्जे में आ चुका है! पुलिस, पॉलिटीशियन इंडस्ट्रियलिस्ट, जजेस, जैसे हर महत्वपूर्ण पद पर हमारे सुपर किड्स बैठे हुए हैं!
अब दुनिया वाले सिर्फ बगावत कर सकते हैं! लेकिन उस स्थिति में भी वे अजर सुपर किड्स से जीत नहीं सकते! नागराज को पहले ही रास्ते से हटाया जा चुका है!

राज कॉमिक्स
" अब दुनिया वालों को हमारे शिकंजे से कोई नहीं बचा सकता- "
शूट टू किल!
नहीं! अपने गलत कानूनों के अनुसार भी तुम इनको मार नहीं सकते!...
...सिर्फ गिरफ्तार कर सकते हो!
और उसके बाद तुमको इन्हें जमानत पर छोड़ना पड़ेगा! तुरंत!
कौन हो तुम?
तुम्हारे दुश्मन छोटा नागराज...
अरे वाह! तो बिल्कुल
ओह! दो नए सुपर हीरो! लगता है कि तुम लोग कॉमिक कुछ ज्यादा ही पढ़ते हो! पर बच्चे, ये कॉमिक नहीं, असलियत है!
और असलियत में सबसे पहले सुपर हीरो मारे जाते हैं!
का नंबर लगाना!

गोलियों की दौड़ती दीवार छोटा नागराज और साइक्रो की तरफ लपक पड़ी-
छोटा नागराज! किस मुसीबत में फंसा दिया तूने?
अरे ये फिल्म वाले नकली कारतूस नहीं हैं! असली गोलियां हैं!
घबराओ मत मिल... मतलब... साइक्रो!
इनको रोकना मेरे बाएं हाथ का काम है!
आश्चर्यजनक दृश्य था-
गोलियां हवा में ही थम गई-
ओह! तुममें वाकई कुछ अद्भुत शक्ति है! लेकिन पुलिस के काम में अड़ंगा डालकर तुमने कानून को तोड़ा है!
गिरफ्तार कर लो इन दोनों को! और बाकी सुपर हीरोज की तरह इनको भी जेल में डाल दो!
अच्छा! यानी बाकी सुपर हीरोज कैद में हैं!
शायद वे तुम्हारी असलियत नहीं जानते, इसीलिए कानून के दायरे में रहकर वे तुम्हारी बात मान रहे हैं! वर्ना जेल से बाहर निकलना उनके लिए पलक झपकाने जैसा काम है!
और फिर एक इशारे से ही जमीन टनाटन की आवाजों से गूंज उठी-
ठन
ठन
टन
ठन
ठनाक
पर हम जानते हैं कि तुम कानून को कठपुतली की तरह नचा रहे हो! और इसीलिए हम तुम्हारा मुकाबला करेंगे!
साइक्रो! अब तुम्हारी बारी है!

ओ. के. छोटे नागराज! अब देखो साइब्रो के दिमाग का कमाल!
घर्र्र्र्र्र
ऐं! ये आवाज कैसी है? लगता है जैसे कि कहीं कोई ट्रक स्टार्ट हुआ हो!
थोड़ा सही समझे थोड़ा गलत! ये ट्रक नहीं कार स्टार्ट हुई है!
बस इसमें इंजन मिनी ट्रक का लगा हुआ है! और हां इसमें कंप्यूटराइज्ड राडार रबर बुलेट गन और बुलडोजर मोड जैसे यंत्र भी लगे हैं!
और इन सब यंत्रों को साइब्रो कंट्रोल करता है!
व्रूंऊं
ऊंऊं
आऊ! बचो!
कैसे बचें! ये कार तो जैसे हमको देखले रही है! जिधर जाओ, उधर ही घूम जा रही है!
तुझे तो सिर्फ देख रही है! पर मुझे तो रबर बुलेट भी मार रही है!
पुलिस वाले बिजी हो गए थे-

अब सुपर किड और छोटा नागराज आमने सामने थे-
लगता है मुझे तुमको अपने हाथों से या तो गिरफ्तार करना पड़ेगा और या फिर... खत्म करना पड़ेगा।
यह तो समय ही बताएगा!
फिलहाल तुम मुझको यह बताओ कि...
...नागराज कहां है!
नागराज! मुझे लगता है कि तुम कुछ जरूरत से ज्यादा जानते हो! गिरफ्तारी वाला आइडिया कैंसिल करना पड़ेगा!
तुझको मारना ही पड़ेगा!
आSSS ह! बहुत ताकत है इस लड़के में! और फुर्ती भी है!
मुझको भी ऐसा ही वार करना पड़ेगा!
जो इतना ही तेज और शक्तिशाली हो!
कुछ भी करले बच्चे! आज तेरा अंत निश्चित है!
सुपर किड्ज को कोई नहीं रोक सकता! वी आर अन्स्टापेबल!

यही बात तुम छोटा नागराज के बारे में भी कह सकते हो!
ये इतनी बड़ी चोट को इतनी आराम से कैसे सह गया! हाथ की हड्डी चटकने की आवाज तो मैंने सुनी है! अब वार करने का तरीका बदलना पड़ेगा!
और उसका दूसरा छोर, खंभे को पार करता हुआ दूसरी कलाई पर कस गया-
ओह, टेलीकाइनेसिस! मानसिक शक्ति द्वारा वस्तुओं को चला सकने की शक्ति!
अब बताओ, कहां है नागराज?
वर्ना बिजली के खंभे की ये कुंडली
हथकड़ी अपने आप जेब से बाहर निकल कर सुपर किड की कलाई पर आ कसी-
वह पल तुमको नहीं मिलेगा!
आऽऽऽह! क्या बक रहे हो तुम? कौन नागराज? कैसा नागराज?
आता है!

मेरे सम्मोहन के वश में आते ही तुम्हारी जीभ अपने-आप हिलने लगेगी!
ओह, सम्मोहन! इसका ज्ञान मेरे दिमाग में भी भरा है, बच्चे!
मुझको भी सम्मोहन चलाना आता है!
आऽऽऽह! मुझको और शक्ति लगानी पड़ेगी!
दोनों प्रतिद्वन्द्वी एक-दूसरे को सम्मोहित करने की कोशिश कर रहे थे-
छोटा नागराज का पूरा ध्यान सम्मोहन चलाने में था-
और अनुभव की यही कमी उसके लिए जानलेवा सिद्ध होने वाली थी-
खंभे के शिखर पर लगी लाइट तेजी से नीचे झुकी-
क्योंकि वह यह नहीं देख रहा था कि हथकड़ियां टूट चुकी हैं-
और सुपर किड का हाथ बिजली के खंभे पर चढ़ता जा रहा है-
और बिजली के तेज झटके ने छोटा नागराज के पूरे दिमाग को हिला डाला-
हा हा हा! सुपर किड हर दांव जानते हैं, सुपर हीरो के बच्चे! चाहे वह छल हो या बल!

अब तेरी जान मेरे जूते के नीचे है!
वह दबाव छोटा नागराज की सांस की नली को तोड़ डालने के लिए काफी था-
लेकिन उससे पहले ही-
सुपर किड की पसलियां टूट गईं-
आओ, छोटे नागराज!
आऽऽऽह! मेरा सिर!
और फिर वह कार अंधेरे की गहराइयों में गुम हो गई-
भाग गए! पर भागकर जाएंगे कहां?
आज से सिक्योरिटी का एक-एक जवान सिर्फ दो लोगों को ही ढूंढेगा!

अब हम क्या करेंगे? अगर किसी सुपर किड के पास भी गए तो वो हमारे हुलिए से ही समझ जाएगा कि हम ही छोटा नागराज और साइक्लो हैं! वे बहुत इंटेलीजेंट हैं!
बाद में सोचेंगे गुरू! फिलहाल तो मुझे स्कूल जाना है! वर्ना वो नया सुपर किड टीचर फिर मेरे पीछे पड़ जाएगा!
न जाने मैंने उसका क्या बिगाड़ा है!
तेरा टीचर चेले! यस!
यस क्या?
वो भी एक सुपर किड है न? हम उस पर नजर रख सकते हैं! कभी न कभी वह ऐसी चूक जरूर करेगा जो हमको या तो नागराज तक पहुंचा सके या उनके सही इरादे बता सके।
गुड आइडिया गुरू! आज से हम उस पर नजर रखेंगे! तुम अपना स्कूल खत्म होने के मेरे स्कूल पर आ जाना! ओ.के.!
डन!
और फिर-
यार रॉनी! तूने एक बात नोटिस की? ये पोनीटेल मौका मिलते ही नए टीचर के आस-पास मंडराने लग रहा है!
मैंने सुना है कि वह प्रिंसिपल बनने वाला है! वह बड़ा कड़क है यार!
अगर हमारी सिगरेट वाली कंप्लेंट इसके पास पहुंच गई तो हम एक सेकंड में स्कूल से निकाल दिए जाएंगे! फिर पापा के डंडे पड़ेंगे!
चल! आज पोनीटेल को अच्छी तरह से समझा ही दें!
हुम! इनके इरादे नेक नहीं हैं! मुझे इसी बात का डाक था!
अब मैं विषांक पर पूरी नजर रखूंगी! इसके रहते यहां दादागिरी नहीं चलेगी!

रॉनी! फंदे वाला हिस्सा मुझे दो!
येssssss
फंसा!
अब इसको कमर से फांसी दी जाएगी!
ऊहूंsss
ओ! एकदम से याद आया रॉनी! एक किताब वापस करने लायब्रेरी जाना था।
म... मुझे भी एक किताब बुक करानी है! चल, मैं भी चलता हूं!
ये तो गए! पर ये चक्कर क्या है? विषांक छुप-छुप-कर उस टीचर के पीछे क्यों जा रहा है?
कुछ रहस्य है जरूर? मुझको विषांक पर नजर रखनी पड़ेगी! कहीं ये फिर से मुसीबत में न फंस जाए!

खतरे में खतरे को सूंघ लेने की अद्भुत क्षमता थी-
विषांक मुसीबत में नहीं बल्कि मुसीबतों के एक बड़े दलदल में फंसने आ रहा था-
और वह भी अपनी मर्जी से-
कुछ पता लगा?
नहीं गुरू! स्कूल में तो कोई भी सुपर किड टीचर से मिलने नहीं आया!
यानी जो कुछ होता है वह स्कूल से बाहर होता है!
वो आ रहा है!
चलो, इसका पीछा करते हैं! हम भी तो देखें कि ये स्कूल के बाद क्या करता है?
यह पीछा रात ढलने तक जारी रहा-
सुपर किड का पीछा भी-
और विषांक तथा सिल्लू का भी-
वह घर के अंदर जाकर फोन उठा रहा है!
मैं 'ऑटो-रिसीवर' को ऑन कर रहा हूं! ये हर तरह की टेलीफोनिक वेव्स को पकड़ सकता है!
यस! सुपर किड 756 हियर!
जनरल मैसेज फॉर ऑल सुपर किड्स! आज रात आठ बजे स्पेशल फाइटिंग इनीशिएशन सेशन है! आना जरूरी है! प्लीज कंफर्म!
ठीक है! मैं आऊंगा!
सेशन हैडक्वार्टर नंबर 4 में है! गुड लक एंड ओवर!
ओवर एंड आउट!
हमको भी वहां जाना होगा गुरू! वहां पर कई रहस्यों का पता चल सकता है!
पर हम जाएंगे कैसे? हम तो दूर से ही पहचान लिए जाएंगे!
इसका तरीका भी है मेरे पास! आओ!

मैं भी आती हूं, विषांक! तू उतना सीधा नहीं है जितना दिखता है!
हेडक्वार्टर नंबर 4- 8:00 P.M.
हमको यहां पर बुलाया क्यों गया है? मैं न जाने कितने इंपोर्टेंट काम छोड़कर यहां पर आया हूं!
मुझको तो अमेरिका से यहां पहुंचने में ही छत्तीस घंटे लग गए! लेकिन अगर बुलाया गया है तो काम जरूरी ही होगा!
हमको शायद फाइटिंग की ट्रेनिंग दी जाएगी!
ट्रेनिंग नहीं, वह जानकारी सीधे हमारी मेमोरी में फीड कर दी जाएगी!
तुम कहां से आए हो?
यार, यहां पर तो सैकड़ों सुपर किड्ज हैं! अगर किसी ने हमको पहचान लिया तो कुत्तों के चबाने लायक हड्डियां भी नहीं बचेंगी!
चुप रहो गुरू! यहां पर सुपर किड्स एक-दूसरे को ही ठीक से नहीं पहचान रहे हैं! हमको कौन पहचानेगा?
बस तुम अपना पसीना पोंछते रहो!

और फिर-
सुपर किड्ज! आज वह एक-चौथाई दुनिया तुम्हारी जय-जयकार कर रही है, जो तुमसे मुनाफा कमाती है! लेकिन वह बाकी तीन-चौथाई आबादी जो लुट रही है, वह अब किसी भी समय बगावत कर सकती है!
और बगावत से वह पूरा सिस्टम चरमराकर गिर जाएगा जिसके बल पर हम दुनिया पर राज कर रहे हैं! इसीलिए यह जरूरी है कि तुम सबके अंदर बगावत को रोकने की क्षमता पैदा हो!
एक-एक सुपर किड्ज को पचास-पचास आदमियों पर भारी पड़ना चाहिए! इस वक्त दुनिया में एक ही है जिसके अंदर यह क्षमता है! लेकिन अब यह क्षमता तुम सभी सुपर किड्ज के अंदर पैदा हो जाएगी! और वह भी इस सिस्टम से!
क्योंकि वह शख्स यानी जापान का सुपर सीरियल किलर रवाशोहीतो अपने दिमाग में भरी फाइटिंग की गुप्त कला हारीहीरो के हर दांवपेंच को तुम्हारे दिमाग में ट्रांसफर कर देगा!
लेकिन हम तो अमर हैं! हमको तो सारे बगावती मिलकर भी नहीं मार सकते!
तुम अमर जरूर हो लेकिन कोई भी चोट या घाव लगाने पर तुमको दर्द होता है और तुम बेहोश होते हो! ये ट्रेनिंग इसी स्थिति से बचने के लिए है!
तुमको सिर्फ अपनी टेबलों पर रखे 'ट्रांस मेमोरीटो' को अपने सिरों पर रखना है और फिर यह प्रक्रिया शुरू हो जाएगी! चलो, चालू हो जाओ!
ये तो डीन है न गुरु? वही आदमी जो कहता है कि सुपर किड्ज उसके अनाथालय के 'सुपर एजुकेशन सिस्टम' की देन हैं!
वही है! मैंने इसको टीवी पर देखा है! और अगर यह योजना कामयाब हो गई तो सुपर किड्ज को कोई नहीं रोक पाएगा और नागराज भी कभी नहीं मिलेगा!

कहीं इन लोगों ने नागराज को मार तो नहीं डाला?
नहीं! वह अभी जिन्दा है! मैं इस बात का एहसास कर सकता हूं!
अब सुनो! मैं मानसिक शक्ति का प्रयोग करके ट्रांसमेमोरीटो के जरिए खाओहीतो के दिमाग तक पहुंचूंगा। और उसके दिमाग से हारीहीरो की सारी जानकारी को ही साफ कर दूंगा!
प्रक्रिया शुरू हुई! और-
आर्रर्ग!
क्या हो रहा है खाओहीतो?
फिर ये सूपर किड्ज उस जानलेवा और घातक कला को कभी नहीं पा सकेंगे!
आऽऽह! गड़बड़ है! कोई शक्ति मेरी मेमोरी के बहाव को बाहर जाने से रोक रही है!
मुझे उस शक्ति को ढूंढ कर उसे नष्ट करना होगा!
वह मुझे ढूंढने की कोशिश कर रहा है! अब मुझे खाओहीतो की मेमोरी को नहीं, बल्कि इस पूरे यांत्रिक तंत्र को नष्ट करना होगा!
और ये सारी गड़बड़ी वहां से शुरू हुई है! क्योंकि वह ट्रांसमेमोरीटो सही-सलामत है!
कुछ गड़बड़ है! उस सुपर किड को पकड़ लो!
ये क्या हो रहा है? केबल जल रहे हैं!
ट्रांसमेमोरीटो सड़े तरबूज की तरह फट रहे हैं!

अरे! अरे! तू तो गया! अब मैं क्या करूं?
सिस्टम को ठीक करो गुरू! तुम सिस्टम की मदद से खांझोहीनो को मारो, और मैं...
... सुपर किड्स से निपटना हूं!
ये... ये तो छोटा नागराज है! ये यहां तक कैसे पहुंच गया! खत्म कर दो इसको! इसको यहां से जिन्दा बचकर नहीं जाना चाहिए!
छोटा नागराज के बचने की उम्मीद कम ही थी! क्योंकि वह एक था.
और अमर सुपर किड्स सैकड़ों की तादाद में थे.

लेकिन सुपर किड्स की दो कमजोरियां उसे पता चल चुकी थीं-
वे चोट का दर्द महसूस कर सकते थे-
और बेहोश हो सकते थे-
साइबो छोटा नागराज का इशारा समझ गया था-
ये मशीन, मेमोरी ट्रांसफर करने के सिस्टम का केन्द्र है। C.P.U. यानी सेंट्रल प्रासेसिंग यूनिट! इसको अगर मैं ठीक कर सकूं, तो काम बन सकता है!
लेकिन छोटा नागराज के लिए बात बिगड़ती जा रही थी-
ताड़
धड़ाक
सुपर किड्ज तो समुद्र की लहरों की तरह आते ही जा रहे हैं!
एक जगह पर खड़े रहकर इनका मुकाबला नहीं किया जा सकता!
मुझको और मोर्चे खोलने पड़ेंगे!

और फिर-
अरे! कहां गायब हो गया कंबख्त?
कहीं हमसे डरकर भाग तो नहीं गया?
नहीं! वह यहां पर है!
और... यहां पर भी है!
यहां भी है, किड्ज!
एक साथ कई जगहों पर है छोटा नागराज!
असंभव! यह नहीं हो सकता है!
इनमें से सिर्फ एक ही असली छोटा नागराज होगा!
लेकिन वह है कहां पर?
मैं यहां पर हूं! ये सब तो मेरे मानस रूप हैं! लेकिन उनके हर वार को ये अमर सुपर किड्ज महसूस कर सकते हैं!

अब मुकाबला बराबरी का हो रहा था-
ये हमको पीट ले रहा है लेकिन हम इसको छू भी नहीं पा रहे हैं! क्यों?
एक प्रक्षेपण! मानसिक प्रक्षेपण!
और मानसिक प्रक्षेपणों को नष्ट करने का तरीका हमको सिखाया गया है!
हमको मेंटल एनर्जी की एक ऐसी फील्ड पैदा करनी होगी, जो छोटा नागराज के मानस रूपों को अपने अंदर खींच ले!
छोटा नागराज के मानस रूप बुलबुलों की तरह फटने लगे-
इसका एक ही एक्सप्लेनेशन हो सकता है!
ये सारे छोटा नागराज सिर्फ एक प्रोजेक्शन हैं!
और अभी भी ध्यान में डूबे छोटा नागराज को इस बदले घटनाक्रम का एहसास नहीं हो पा रहा था-
अनगिनत खतरे उसकी तरफ बढ़ रहे थे-
और कोई उन खतरों की तरफ बढ़ रहा था-
ये आग के गोले कहां से आ रहे हैं?

ये आग फ्लेमिना उगल रही है, जो तुम सबकी मौत बन कर तुम्हारे सिरों पर मंडरा रही है!
ये क्या हो रहा है? सुपर किड्ज तेजी से खत्म हो रहे हैं! ऐसे तो सिस्टम पर कसा हमारा शिकंजा कमजोर पड़ता जाएगा! इसको रोकना होगा! और फिलहाल इसको सिर्फ एक ही शख्स रोक सकता है...
खाशोहीनो!
क्या है!
फ्लेमिना! ये फ्लेमिना कौन है जो मेरी मदद कर रही है? और इसको कैसे पता चला कि इसको मेरी मदद करने के लिए यहां पर आना है!
और तू ये क्या सोचने लगा विषांक? मौके का फायदा उठा! दुश्मन कमजोर पड़ रहा है! टूट पड़ उन पर!
यही है वह जिसने तुम्हारे दिमाग से खाशोहीनो को मिटाने की कोशिश की थी! छोटा नागराज!

तो खाशीहीतो इसको मिटा डालेगा!
मेरा मजाक उड़ाता है! मैं तेरी मुंडी उड़ा डालूंगा!
ये काम इतना आसान नहीं है, खांसी हीतो!
पहले ढूंढ तो लो कि मैं कहां पर हूं?
खाशीहीतो इस सदी का सबसे बड़ा हत्यारा सिर्फ इसीलिए है क्योंकि वह केवल शरीर से नहीं मारता...
तेरी ये चाल मेरे साथ नहीं चलेगी!
आऽऽऽह!

आपानी दयाल से पाई हुई शक्तियां भी हैं मेरे पास! मैं सिर्फ शरीर से नहीं, दिमाग से भी मारता हूं!
यानी अब हमारी लड़ाई को दिमाग नहीं, शरीर तय करेगा!
अगर मेरे हाथ में भी एक तलवार होती तो मैं तुमसे ये लड़ाई कुछ ही मिनटों में जीतकर दिखा देता।
तो फिर फ्लेमिना से मदद मांगो छोटा नागराज।
ये रही एकदम ताजी तलवार!
थैंक्यू फ्लेमिना! तुम्हारा एहसान मुझ पर उधार रहा!

तलवार बाजी का यह मुकाबला अद्भुत था-
एक तरफ एक सधे हुए अनुभवी कातिल के वार थे-
जाहिर था कि मुकाबला एक तरफा था-
ओफ़! इसको तब तक रोककर रखना होगा, जब तक साइब्रो अपना काम पूरा न कर ले!
पर ये काम मेरे अकेले के बस का नहीं लगता!
और दूसरी तरफ एक ऐसा बच्चा था, जिसने अभी- अभी सुपर हीरो का लिबास पहना था-
फ्लेमिना को छोड़ और अपनी सोच, बच्चे!
छोटा नागराज अकेला था भी नहीं-
लेकिन खाड़ी हीनो को गलाना आसान नहीं है!
खाड़ी हीनो तो तुझे काट डालेगा!
आऽऽह!
आऽऽऽह!
तू मेरा कवच गला रही है!
फ्लेमिना!
तलवार दो टुकड़ों में बंट गई-

और अगला वार छोटा नागराज को दो टुकड़ों में बांटने वाला था-
तेरा समय पूरा हो गया, छोटा नागराज!
लेकिन समय खाशीहीतो का पूरा हो गया था-
हियाऽऽऽ आआऽ
साइब्रो ने अपना काम पूरा कर दिया था-
खाशीहीतो का दिमाग एक बार फिर 'ट्रांसमेमोरीटो सिस्टम' से जुड़ा-
और-
तुझमें राम मुझमें राम सबमें राम समाया...
सबसे करले प्यार जंगल में कोई नहीं है पराया रे!
ये... ये तो भजन गाने लगा! पर कैसे?
थोड़ी सी प्रोग्रामिंग से! मैंने तुम्हारे सिस्टम में जरा सी हेरफेर करके खाशीहीतो के दिमाग में से खूनखराबे की मेमोरी को निकालकर, धार्मिक मेमोरी डाल दी है!
और अब तुम्हारा भी यही हाल होगा! तुम्हारे दिमाग में हम गधे की मेमोरी भर देंगे!
गधे की! नहींऽऽऽ
तो फिर बताओ कि ये सुपर किड का चक्कर क्या है?
डील रिकॉर्डेड सी डी की तरह चालू हो गया-

छोटा नागराज
और फिर-
सुपर किड तो अब तब तक अंदर बंद रहेंगे जब तक ये दरवाजा नहीं खुलता!
और अगर उन्होंने ये दरवाजा खोल लिया तो?
और मुझको एक ऐसी जगह का पता है!
आओ, मेरे साथ!
तो हमारा नया दोस्त खाओगेहीतो तो उनको कहीं आने नहीं देगा!
अब इस डीन का क्या करें? पुलिस के हवाले कर दें?
पर वहां से तो इस घटना की भनक तुरन्त इसके पार्टनरों तक पहुंच जाएगी! इसको काम पूरा होने तक कैद में रखना पड़ेगा!
तुमको पूरा यकीन है कि डीन इस खोखले तने से बाहर नहीं निकल पाएगा?
जिस छेद से वह अंदर आ रहा है उससे बाहर भी तो आ सकता है!
नहीं आएगा!
ये सांप उसकी पहरेदारी करेंगे!
कमाल है! सांप तुम्हारी बात मानते हैं! पर क्यों?
क्योंकि मैं छोटा नागराज हूं!
पर तुम कौन हो?
एक-एक करके पहेलियां सुलझाओ छोटा, नागराज!
पहले सुपर किड्ज की! और फिर मेरी! चलो!

और फिर-
यही है वह अनाथालय जिसका पता डीन ने हमको दिया है! ये वास्तव में एक सीक्रेट बायोलैब है जहां पर सुपर किड्ज की क्लोनिंग करके उनके दिमाग में पूरे इंटरनेट का ज्ञान भर दिया जाता है!
इसको नष्ट करने से सभी सुपर किड्ज नष्ट हो जाएंगे क्या, छोटा नागराज?
यह तो बता पाना मुश्किल है! पर यह पक्का है कि और सुपर किड्ज बनने बंद हो जाएंगे! और फिर हमको डीन के पार्टनरों से भी तो निपटना है!
डीन के अनुसार नागराज भी यहीं कहीं बंदी है!
और उसको आजाद करवाना हमारा पहला लक्ष्य है! अगर नागराज वापस आ गया तो सुपर किड्ज वैसे ही खत्म हो जाएंगे!
ठीक है! लेट्स स्टार्ट ऑपरेशन ऑफ सुपर किड्ज!
चिल्लाओ मत साइक्रो! वर्ना हम यहीं पकड़ लिए जाएंगे!
ये फिल्मी टच दी एंड के लिए संभालकर रख!

अनाथालय की आड़ में चलने वाली उस गुप्त लैब के अंदर-
डीन फोन नहीं उठा रहा है! कुछ गड़बड़ है क्या?
गड़बड़ तो हो ही नहीं सकती...
...चेले नागपाशा! क्योंकि इस वक्त पूरी दुनिया में गड़बड़ी फैलाने वाले दो लोग तो यहां पर बैठे हैं! मैं और तुम!
फिर भी गुरुदेव! जब भी तुम दुनिया पर राज करने वाली स्कीमें बनाते हो, तब कहीं न कहीं पर गड़बड़ जरूर हो जाती है!
इस बार ऐसा कोई चांस नहीं है, नागपाशा! क्योंकि हमारी योजनाओं को हर बार नष्ट करने वाला शख्स तो इस वक्त हमारे रहम पर ही जिन्दा है!
चाहे जो कहो, गुरुदेव! मुझे तो किसी गड़बड़ी की आशंका हो रही है!
डीन जरूर किसी से पिट रहा है!
एक तो डीन को पीटने वाला कोई शख्स अभी धरती पर है नहीं! और अगर हो भी, तब भी वहां पर सैकड़ों अमर सुपर किड्ज मौजूद हैं! उनके रहते डीन को अमेरिका की सेना तक छू नहीं सकती है! तू दूसरे कामों में ध्यान दे!

DANGER
दूसरा काम अब बचा ही क्या है, गुरुदेव?
बचा है न! देख! सुपर किड्ज की ये आखिरी खेप तैयार हो रही है! और ये तो तुझको पता ही है कि ये सारे तेरे शरीर की अमर कोशिकाओं से बने क्लोन हैं! इसीलिए इनके मस्तिष्क की तरंगें सिर्फ तेरे मस्तिष्क की तरंगों से मेल खाती हैं!
और तेरी तरंगों को इनकी मानसिक तरंगों से जोड़ना मेरे यंत्रों का काम है! ऐसा होने के बाद ये तेरे गुलाम बन जाते हैं!
क्योंकि उसके बाद तू जब चाहे तब इनमें से किसी भी सुपर किड के मस्तिष्क को यह आदेश दे सकता है कि वह उस शरीर की कोशिकाओं को नष्ट कर दे!
और ऐसा होते ही वह सुपर किड गलकर बह जाएगा!
सुपर किड्ज की जिन्दगी सिर्फ तू ले सकता है, चेले! ये दुनिया के भगवान हैं, पर तू इनका भगवान है!
यानी अब मैं भगवान नागपाशा हूं! वाह, गुरुदेव, वाह!
अरे! खतरे का अलार्म क्यों बज रहा है?
कौन मूर्ख यहां पर घुसने की चेष्टा कर रहा है?

ये तो छोटा नागराज़ और उसके साथी हैं! इनको यहां का पता कैसे चला?
देखा, गुरू? गड़बड़ हो गई न?
तो फिर मुझे इस रास्ते को तुम लोगों के खून से गंदा करना पड़ेगा!
जल्लाद के हाथों से मरने के लिए तैयार हो जाओ!
हाथों से? पर हाथ हैं कहां पर?
ये क्या चीज है छोटा नागराज?
इसका सिर-पैर कहां है, कुछ भी समझ में नहीं आ रहा है!
अरे ये चिल्लर गुरुदेव का भला क्या मुकाबला करेंगे? इनके लिए मैं तैयार हूं!
तू जाकर 'ब्रेन-वेव' चेयर पर बैठ, और अपने दिमाग का संपर्क नए सुपर किड्ज से जोड़!
" तब तक मैं इन तीनों को मृत्युदंड देने के लिए अपने गुलाम को भेजता हूं-"
ये गया चौबीसवां पहरेदार! अब रास्ता साफ है!
ये कई तरह के यंत्रों को जोड़कर बनाया गया एक यांत्रिक सिस्टम लगता है! इसको बनाने वाला यंत्रों का महान ज्ञाता लगता है! ये यंत्र जल्लाद सच में एक खतरनाक यंत्र है!
मेरी आग कुछ भी भस्म कर सकती है! तुम दोनों पीछे हटो, और फ्लेमिना को अपना काम करने दो!

'जल्लाद' के वारों से बचती हुई फ्लेमिना के गर्मागर्म वार मशीनी सतह पर बरसने लगे-
और मशीन के कई हिस्से आग की लपटों में घिर गए-
देखा, छोटे नागराज! तुम जिस जल्लाद को खतरनाक कह रहे थे उसको फ्लेमिना ने फांसी दे दी!
खत्म हो गया जल्लाद!
नहीं! जल्लाद मरता नहीं मारता है!
फ्लेमिना को वह मौका नहीं मिला-
आहा! इसके अंदर आग बुझाने वाली फोम के सिलेंडर लगे हैं!
मैं समझ गई! इस बार मैं इन सिलेंडरों को ही पिघला दूंगी!
'जल्लाद' ने उसकी आग को ही बुझा दिया-

और फ्लेमिना लड़ाई से बाहर हो गई-
धड़ाक
आह
इसके अंदर तो कोई ऐसा कंप्यूटर प्रोग्राम भी नहीं है जिसे मैं बदल सकूं!
अब हम क्या करेंगे, छोटा नागराज?
ये सिर्फ एक मशीन है साइब्रो, और ऐसी मशीनों को तो हम बच्चे खेल-खेल में ही तोड़ डालते हैं!
ईsss तेरे बाल!
ईssss! ये बाल! मुझको शिकंजे में जकड़कर मुझे तोड़ रहे हैं!
लेकिन-
खच
खच
अब क्या करोगे?
ओह! इसने मेरे बाल काट दिए! ये तो हर हथियार से लैस होकर आया है!
इसको तोड़ूंगा!
अपनी मानसिक शक्ति से!

पर ये तरीका भी कारगर सिद्ध नहीं हुआ-
आऊ! इसकी मेटल की चादर काफी मोटी है! इसको तोड़ने की कोशिश में तो मेरा दिमाग ही टूट जाएगा!
अब वार करने की बारी जल्लाद की थी-
हा हा हा! छोटा नागराज भी गया! अब बस तीसरा भुनगा बचा है!
उसके बाद ये तीनों भी नागराज के साथ मरेंगे!
एक भयानक मौत
छोटा नागराज! तुम ठीक तो हो न?
ठीक नहीं हूं, फ्लेमिना! और जल्दी ही हमारी तबियत और खराब होने वाली है
ये एक मशीन है! जो न गल सकती है, न जल सकती है, न दर्द महसूस करती है और न हमारे वार से टूट सकती है! बस ये... हांऽऽऽ
अब इस 'हांऽऽऽ' का क्या मतलब है?
फ्लेमिना तुमको ये मेटल गलाकर एक चीज बनानी है!
गलाकर! पर मेरे पास बहुत कम शक्ति बची है!
चलेगा! अब सुनो...

अरे कोई मेरी तरफ भी तो ध्यान दो! मैं क्या करूं?
घबराओ मत, साइब्रो! छोटा नागराज तो बेहोश हो गया है। पर मैं अभी होश में हूं!
ठीक है! पर अगर तुम फंस जाओ तो मुझे बचाने को मत कहना!
उसकी नौबत ही नहीं आएगी, साइब्रो!
"छोटा नागराज कुछ न कुछ जरूर करेगा-"
फ्लेमिना से ये कहने को मैंने ही कहा था! ताकि जल्लाद का ध्यान मुझ पर से हट जाए और मैं आराम से अपना काम कर सकूं!
अब मैं और नहीं बच सकता फ्लेमिना! हफ़!
उसकी जरूरत पड़नी भी नहीं चाहिए, साइब्रो!
क्योंकि मेरे ख्याल से...

छोटा नागराज ने अपना काम कर दिया है!
मैं... मैं छूट रहा हूं! पर कैसे?
हां, कैसे?
इसकी मदद से! मशीन चाहे कितनी भी मज़बूत हो, उसमें पेंच और नट-बोल्ट तो होते ही हैं!
उनको खोल दो, मशीन अपने आप खुल जाएगी!
जल्लाद खत्म! अब बारी डीन के पार्टनरों की है!

ओफ़! ये बच्चे हैं या शैतान! ये अगर ऊपर तक आ गए तो हंगामा खड़ा कर देंगे!
देखा गुरुदेव! मैं न कहता था कि...
चुप! एकदम चुप!
तू ध्यान केन्द्रित कर! अपने दिमाग का इन सुपर किड के दिमागों से संपर्क जोड़!
और उन तीन शैतानों को रोकने का काम मुझ पर छोड़ दे!
ये यहां से जिन्दा बचकर नहीं जाएंगे!
CALLING SUPER KIDS..
गुप्त लैब का मुख्य द्वार-
उस तूफान को रोक नहीं सकता था-
जिसका नाम था- छोटा
आओ, तिलंगों! बड़ी देर लगा दी यहां तक आने में!

मुझको तो नींद आने लगी थी!
ये... ये तो गुरुदेव हैं! और इसने नागराज को बंदी बना रखा है!
और अगर ये यहां पर है तो नागपाश भी यहां पर जरूर होगा!
यानी डीन के दो रहस्यमय सहयोगी यही दोनों हैं!
एकदम सही समझे! हम दोनों ही इस वक्त सुपर किड्ज के माध्यम से पूरी दुनिया को कंट्रोल कर रहे हैं!
पर अब नहीं! अब तुमको पहले हम कंट्रोल करेंगे और बाद में कानून वाले!
न् न् न्! ऐसा सोचना भी मत! क्योंकि इस वक्त नागराज की जान को मैं कंट्रोल कर रहा हूं!
तुम्हारी एक छोटी सी हरकत से मैं इस कंटेनर के तापमान को और गिरा दूंगा, और नागराज का बदन कांच के गिलास की तरह टूट जाएगा!

और अब रही तुम तीनों को मौत देने की बात तो उधर देखो! यमदूतों की टोली तुमको ले जाने के लिए दरवाजे तक आ चुकी है!

ओ! सुपर किड्ज! ये मारेंगे हमें! अरे ये तो अभी-अभी हमसे पिट चुके हैं!

पर इस बार तुम इनसे पिटोगे! क्योंकि अगर तुमने पलट-कर इन पर वार किया तो नागराज मारा जाएगा!

और ऐसा मैं सिर्फ एक बटन दबाकर कर सकता हूं!

वह तुम नहीं कर पाओगे गुरुदेव।

अरे! मेरे दोनों हाथ सुन्न हो रहे हैं! बटन दबाना तो दूर, मैं इनको हिला तक नहीं पा रहा हूं! यह जरूर छोटा नागराज की कारस्तानी है! खत्म कर दो इसे!
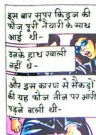
इस बार सुपर किड्ज की फौज पूरी तैयारी के साथ आई थी-

उनके हाथ खाली नहीं थे-

और इस कारण से सैकड़ों की यह फौज तीन पर भारी पड़ने वाली थी-

साइक्रो-
ओ, हेल! मैं अपने आपको मुसीबत से बचा हुआ समझ रहा था, लेकिन यहां पर तो उस मुसीबत की जड़ है!
ये जरूर नागपाशा ही होगा! पर ये शीशों में बंद सुपर किड्ज के साथ क्या कर रहा है?
पास जाकर देखता हूं! बस इसको

ओहो! सारा काम इस मशीन के जरिए हो रहा है! और इसके अनुसार नागपाशा, सुपर किड्ज के ब्रेन्स को कंट्रोल में ले रहा है! इसमें बहुत सारे 'सब हेड्स' भी लिखे हुए हैं! 'ओबे, फाइट और डेस्ट्रक्ट'! वाह! अगर मैं 'डेस्ट्रक्ट' आप्शन ले लूं तो क्या होगा? देखते हैं!

'डेस्ट्रक्ट' आप्शन पर क्लिक करते ही-
अरे! सुपर किड्ज तो पिघल रहे हैं! खुद को नष्ट कर रहे हैं! यानी नागपाशा इनको नष्ट हो जाने का आदेश दे सकता है!
ऐ ऐ! ये क्या हो रहा है? किसने की है ये हरकत?

अरे! तू... तू तो साइब्रो है! छोटा नागराज का साथी! तू यहां तक कैसे पहुंच गया? और... और तुझको कैसे पता चला कि मैं सुपर किड्ज को नष्ट होने का मानसिक आदेश दे सकता हूं? अरे रुक! रुक तो!

साइब्रो जिधर भाग रहा था उधर स्थिति और भी खराब थी-

हाथ सुन्न हैं तो क्या? मैं ठोढ़ी से बटन दबाऊंगा! और बटन दबते ही नागराज कांच के गुड्डे की तरह टूट जाएगा! ही ही ही!

ओफ़! गुरुदेव ठोढ़ी से बटन को दबाने जा रहा है! उसको रोकना होगा!

फ्लेमिना! एक ही रास्ता है गुरुदेव को रोकने का! उस वाटर पाइप को गला दो!

पर क्यों? खैर, जैसा तुम कहो!

और-
अरे, वाह! ये सभी बिजली का झटका खाकर एक साथ गिर रहे हैं! तुमने तो यह लड़ाई एक झटके में जीत ली, छोटा नागराज!
नहीं! लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है!
ये लड़ाई नागराज और तुम तीनों की मौत के बाद ही खत्म होगी!
छोटा नागराज! सुपर किड्ज को नागपाशा ही अपने ब्रेन से कंट्रोल कर रहा है! इसका दिमाग सारे सुपर किड्ज से जुड़ा हुआ है! यह सुपर किड्ज को अपने आपको नष्ट करने का मानसिक आदेश भी दे सकता है!
पर मैं ऐसा क्यों करूंगा? देखो! सुपर किड्ज ने अपने आपको संभाल लिया है! अब इनके सामने तू कुछ भी नहीं कर पाएगा छोटा नागराज!
उधर ये तुम दोनों को मारेंगे और इधर मैं इस मोटे की बलि चढ़ाऊंगा!
कुछ करो छोटा नागराज!
अपनी मानसिक शक्तियों का प्रयोग करो! वर्ना ये सुपर किड्ज हमको जिन्दा नहीं छोड़ेंगे!

अब ये संभव नहीं है, फ्लेमिना! सुपर किड्ज ने मिलकर एक विशाल 'मेंटल फील्ड' बना ली है। और ये फील्ड मेरी मानसिक शक्ति को सोख सकती है!
फिर तो हमारा अंत सामने है छोटा नागराज! क्योंकि मेरी शक्तियां भी अब हल्की होती जा रही हैं!
छोटा नागराज और फ्लेमिना के सामने सुपर किड्ज का समुद्र खड़ा हुआ था-
जान बचा पाना असम्भव था-
लेकिन इन विपरित परिस्थितियों में भी छोटा नागराज का दिमाग तेजी से चल रहा था-
सुपर किड्ज को सिर्फ नागपाशा ही खत्म कर सकता है! और वह भी एक मानसिक आदेश देकर!
क्योंकि उसका दिमाग सारे सुपर किड्ज से जुड़ा हुआ है! पर उसको ऐसा करने के लिए मजबूर कैसे किया जा सकता है? कैसे?
हां, समझा! ये काम होगा ऐसे!
अगले ही पल 'सुपर किड्ज' के काले चश्मे टूटने शुरू हो गए-
और साथ ही साथ छोटा नागराज की आंखों में भी तीव्र सम्मोहन तैरने लगा-
और पांसा पलटने लगा-
अरे! ये... ये क्या हो रहा है! मेरा शरीर गल रहा है! पर कैसे?
क्योंकि तुम मानसिक तरंगों के द्वारा सुपर किड्ज से जुड़े हो!
और अब इनको सम्मोहित करके मैं इनके दिमागों के द्वारा तुम्हारे दिमाग को यह आदेश दे रहा हूं कि वह तुम्हारे शरीर को गला दे!

पर... पर मैं तो अमर हूं!
तुम मर नहीं रहे हो नागपाशा! बस, गल रहे हो! अब तुम गले हुए रूप में ही जीवित रहोगे!
नहीं! मैं अभी इन सबको नष्ट करता हूं!
नागपाशा का आदेश मिलने ही-
गुरुदेव बिजली का झटका खाकर बेहोश पड़े हैं! अब तुम्हारे बचने का सिर्फ एक ही रास्ता है नागपाशा! सभी सुपर किड्ज को नष्ट होने का आदेश दो! ऐसा होते ही इसके साथ-साथ मेरा सम्मोहन भी खत्म हो जाएगा! और तुम बच जाओगे वर्ना...
नहीं! गुरुदेव! कुछ करो! मुझे बचाओ, गुरुदेव!
सारे सुपर किड्ज के शरीर गलने शुरू हो गए-
ये क्या मूर्खता कर दी तूने नागपाशा! हमारी सालों की मेहनत पर पानी फिर गया! हम हार गए! लेकिन नागराज भी नहीं बचेगा!
चल, मेरे मूर्ख चेले!
ओफ़! गुरुदेव ने गायब होते-होते भी बटन दबा दिया है!
और नागराज का शरीर अत्यधिक ठंडा होकर टूटना शुरू हो गया है!
नागराज नहीं बचेगा!
नागराज बचेगा!

मैं अपनी सारी बची ऊष्मा शक्ति देकर भी नागराज को बचाऊँगी!
लेकिन फ्लेमिना... फ्लेमिना!
आऽऽह! मेरी सारी शक्ति... खत्म...
नागराज आँखें खोलने वाला है! अगर उसने हमको यहाँ देख लिया तो...
वाह! फ्लेमिना की गर्मी इस लिक्विड को गर्म कर रही है! नागराज फिर से जीवित हो रहा है! अब वह बच जाएगा!
तो फिर हम सवालों के जवाब देते-देते थक जाएंगे! चलो, निकलो यहां से!
और जब नागराज होश में आया तो-
मैं यहां पर आया कैसे? और यहां पर हुआ क्या है?
चारों तरफ गाढ़ा सा द्रव और सुपर किड्ज की पोशाकें फैली हैं!

और फिर-
पूरी दुनिया चकित है कि सारे सुपर किड्ज एकाएक चले कहां गए? कुछ लोग तो एकदम शॉक में हैं! कुछ उदास भी हैं!
लेकिन ज्यादातर लोग खुश हैं! क्योंकि सुपर किड्ज ने उनका जीना मुश्किल कर दिया था!
अपुष्ट सूत्रों के अनुसार सभी सुपर किड्ज नष्ट हो चुके हैं! और यह काम तीन किड्ज सुपर हीरोज छोटा नागराज, साइब्रो और फ्लेमिना के द्वारा किया गया है!
श श श! न्यूज में कुछ बताया जा रहा है!
सुपर किड्ज के पदों से हटने के बाद अब उनके द्वारा किए गए कई घोटाले भी सामने आ रहे हैं!
छोटा नागराज? ये छोटा नागराज कौन है! जिसने सुपर किड्ज को मिटा डाला! वह मामूली बच्चा नहीं हो सकता!
आखिर वह है कौन?
ये फ्लेमिना कौन है?



समाप्त.